Sheetala Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Sheetala Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
जय जय माता शीतला , तुमहिं धरै जो ध्यान ।
होय विमल शीतल ह्रदय, विकसै बुद्धी बल ज्ञान ॥
घट-घट वासी शीतला, शीतल प्रभा तुम्हार ।
शीतल छइयां में झुलई, मइयां पलना डार ॥

॥ चौपाई ॥
जय-जय-जय श्री शीतला भवानी । जय जग जननि सकल गुणधानी ॥

गृह-गृह शक्ति तुम्हारी राजित । पूरण शरदचंद्र समसाजित ॥

विस्फोटक से जलत शरीरा । शीतल करत हरत सब पीड़ा ॥

मात शीतला तव शुभनामा । सबके गाढे आवहिं कामा ॥

शोक हरी शंकरी भवानी । बाल-प्राणक्षरी सुख दानी ॥

शुचि मार्जनी कलश करराजै । मस्तक तेज सूर्य सम साजै ॥

चौसठ योगिन संग में गावैं । वीणा ताल मृदंग बजावै ॥

नृत्य नाथ भैरौं दिखलावैं । सहज शेष शिव पार ना पावैं ॥

धन्य धन्य धात्री महारानी । सुरनर मुनि तब सुयश बखानी ॥

ज्वाला रूप महा बलकारी । दैत्य एक विस्फोटक भारी ॥

घर घर प्रविशत कोई न रक्षत । रोग रूप धरी बालक भक्षत ॥

हाहाकार मच्यो जगभारी । सक्यो न जब संकट टारी ॥

तब मैंय्या धरि अद्भुत रूपा । कर में लिये मार्जनी सूपा ॥

विस्फोटकहिं पकड़ि कर लीन्हो । मूसल प्रमाण बहुविधि कीन्हो ॥

बहुत प्रकार वह विनती कीन्हा । मैय्या नहीं भल मैं कछु कीन्हा ॥

अबनहिं मातु काहुगृह जइहौं । जहँ अपवित्र वही घर रहि हो ॥

अब भगतन शीतल भय जइहौं । विस्फोटक भय घोर नसइहौं ॥

श्री शीतलहिं भजे कल्याना । वचन सत्य भाषे भगवाना ॥

पूजन पाठ मातु जब करी है । भय आनंद सकल दु:ख हरी है ॥

विस्फोटक भय जिहि गृह भाई । भजै देवि कहँ यही उपाई ॥

कलश शीतलाका सजवावै । द्विज से विधीवत पाठ करावै ॥

तुम्हीं शीतला, जगकी माता । तुम्हीं पिता जग की सुखदाता ॥

तुम्हीं जगद्धात्री सुखसेवी । नमो नमामी शीतले देवी ॥

नमो सुखकरनी दु :खहरणी । नमो- नमो जगतारणि धरणी ॥

नमो नमो त्रलोक्य वंदिनी । दुखदारिद्रक निकंदिनी ॥

श्री शीतला , शेढ़ला, महला । रुणलीह्युणनी मातृ मंदला ॥

हो तुम दिगम्बर तनुधारी । शोभित पंचनाम असवारी ॥

रासभ, खर , बैसाख सुनंदन । गर्दभ दुर्वाकंद निकंदन ॥

सुमिरत संग शीतला माई, जाही सकल सुख दूर पराई ॥

गलका, गलगन्डादि जुहोई । ताकर मंत्र न औषधि कोई ॥

एक मातु जी का आराधन । और नहिं कोई है साधन ॥

निश्चय मातु शरण जो आवै । निर्भय मन इच्छित फल पावै ॥

कोढी, निर्मल काया धारै । अंधा, दृग निज दृष्टि निहारै ॥

बंध्या नारी पुत्र को पावै । जन्म दरिद्र धनी होइ जावै ॥

मातु शीतला के गुण गावत । लखा मूक को छंद बनावत ॥

यामे कोई करै जनि शंका । जग मे मैया का ही डंका ॥

भगत ‘कमल’ प्रभुदासा । तट प्रयाग से पूरब पासा ॥

ग्राम तिवारी पूर मम बासा । ककरा गंगा तट दुर्वासा ॥

अब विलंब मैं तोहि पुकारत । मातृ कृपा कौ बाट निहारत ॥

पड़ा द्वार सब आस लगाई । अब सुधि लेत शीतला माई ॥

॥ दोहा ॥
यह चालीसा शीतला, पाठ करे जो कोय ।
सपनें दुख व्यापे नही, नित सब मंगल होय ॥

बुझे सहस्र विक्रमी शुक्ल, भाल भल किंतू ।
जग जननी का ये चरित, रचित भक्ति रस बिंतू ॥
॥ इति श्री शीतला चालीसा ॥

Sheetala Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥

जय जय माता शीतला , तुमहिं धरै जो ध्यान।

- जय हो, जय हो माता शीतला! जो भी आपका ध्यान करता है।

होय विमल शीतल हृदय, विकसै बुद्धी बल ज्ञान॥

- उसका हृदय शीतल, पवित्र और निर्मल हो जाता है। उसकी बुद्धि, शक्ति और ज्ञान बढ़ जाते हैं।

घट-घट वासी शीतला, शीतल प्रभा तुम्हार।

- हे माता शीतला! आप प्रत्येक प्राणी के हृदय में निवास करती हैं और आपकी शीतल आभा चारों ओर फैलती है।

शीतल छइयां में झुलई, मइयां पलना डार॥

- आप अपनी शीतल छाया में भक्तों को पालना झुलाती हैं, उन्हें सुख और शांति प्रदान करती हैं।

॥ चौपाई ॥
जय-जय-जय श्री शीतला भवानी। जय जग जननि सकल गुणधानी॥

- जय हो, जय हो माता शीतला भवानी! आप संपूर्ण संसार की जननी और समस्त गुणों की खान हैं।

गृह-गृह शक्ति तुम्हारी राजित। पूरण शरदचंद्र सम साजित॥

- हर घर में आपकी शक्ति विद्यमान है। आप पूर्ण चंद्रमा के समान उज्ज्वल और सुंदर हैं।

विस्फोटक से जलत शरीरा। शीतल करत हरत सब पीड़ा॥

- जब कोई व्यक्ति चेचक जैसे रोगों से जलता है, तो आप उसे शीतल कर उसकी सारी पीड़ा हर लेती हैं।

मात शीतला तव शुभनामा। सबके गाढे आवहिं कामा॥

- हे माता शीतला ! आपका पवित्र नाम संकटों में सहायक है। लोग कठिन समय में आपकी शरण लेते हैं।

शोक हरी शंकरी भवानी। बाल-प्राणक्षरी सुख दानी॥

- आप शोक को हरने वाली भवानी हैं। आप बच्चों के प्राणों की रक्षा करती हैं और सुख प्रदान करती हैं।

शुचि मार्जनी कलश करराजै। मस्तक तेज सूर्य सम साजै॥

- आपके हाथ में पवित्रता का प्रतीक झाड़ू और कलश शोभायमान हैं। आपके मस्तक पर सूर्य के समान तेज है।

चौसठ योगिन संग में गावैं। वीणा ताल मृदंग बजावै॥

- चौसठ योगिनियां आपके साथ रहकर आपके गुणों का गान करती हैं और वीणा, ताल, मृदंग बजाती हैं।

नृत्य नाथ भैरौं दिखलावैं। सहज शेष शिव पार ना पावैं॥

- नृत्य करते हुए नाथ भैरव आपको दर्शाते हैं। परंतु आपकी महिमा को शिव और शेषनाग भी पूरी तरह नहीं समझ पाते।

धन्य धन्य धात्री महारानी। सुरनर मुनि तब सुयश बखानी॥

- हे महारानी ! आप धन्य हैं। देवता, मनुष्य और मुनि आपके यश का गुणगान करते हैं।

ज्वाला रूप महा बलकारी। दैत्य एक विस्फोटक भारी॥

- आप कभी प्रचंड ज्वाला के रूप में प्रकट होकर शक्तिशाली दानवों का संहार करती हैं।

घर घर प्रविशत कोई न रक्षत। रोग रूप धरी बालक भक्षत॥

- जब रोग (चेचक) घर-घर में प्रवेश करता है और बच्चों को हानि पहुंचाता है, तो कोई रक्षा नहीं कर पाता।

हाहाकार मच्यो जगभारी। सक्यो न जब संकट टारी॥

- जब पूरे संसार में हाहाकार मच जाता है और कोई भी संकट को दूर करने में असमर्थ हो जाता है।

तब मैंय्या धरि अद्भुत रूपा। कर में लिये मार्जनी सूपा॥

- तब माता शीतला ने अद्भुत रूप धारण किया और अपने हाथ में झाड़ू और सूपा (चावल फटकने वाला) लिया।

विस्फोटकहिं पकड़ि कर लीन्हो। मूसल प्रमाण बहुविधि कीन्हो॥

- माता ने विस्फोटक रोग को पकड़ लिया और उसे मूसल (दंड) से संतुलित किया।

बहुत प्रकार वह विनती कीन्हा। मैय्या नहीं भल मैं कछु कीन्हा॥

- उस रोग ने माता से कई प्रकार से विनती की, “हे माता, मैंने कोई बड़ा अपराध नहीं किया।”

अबनहिं मातु काहुगृह जइहौं। जहँ अपवित्र वही घर रहि हो॥

- माता ने उत्तर दिया, “अब तू केवल अपवित्र घरों में ही निवास करेगा।”

अब भगतन शीतल भय जइहौं। विस्फोटक भय घोर नसइहौं॥

- अब भक्तों को शीतलता और शांति प्राप्त होगी। चेचक जैसे भयंकर रोग का अंत हो जाएगा।

श्री शीतलहिं भजे कल्याना। वचन सत्य भाषे भगवाना॥

- जो भी माता शीतला का भजन करता है, वह कल्याण प्राप्त करता है। यह वचन सत्य है।

पूजन पाठ मातु जब करी है। भय आनंद सकल दुःख हरी है॥

- जब कोई माता शीतला की पूजा और पाठ करता है, तो उसका भय समाप्त हो जाता है, आनंद मिलता है और सारे दु:ख दूर हो जाते हैं।

विस्फोटक भय जिहि गृह भाई। भजै देवि कहँ यही उपाई॥

- जिस घर में विस्फोटक (चेचक) रोग का भय हो, वहां के लोग माता का भजन करें। यही इसका उपाय है।

कलश शीतलाका सजवावै। द्विज से विधीवत पाठ करावै॥

- जो भक्त कलश सजाकर ब्राह्मणों से विधिपूर्वक माता का पाठ कराता है, वह संकटों से मुक्त हो जाता है।

तुम्हीं शीतला, जगकी माता। तुम्हीं पिता जग की सुखदाता॥

- हे माता शीतला! आप ही संसार की माता और पिता हैं। आप ही सबको सुख प्रदान करने वाली हैं।

तुम्हीं जगद्धात्री सुखसेवी। नमो नमामी शीतले देवी॥

- आप ही संसार को धारण करने वाली और सुख प्रदान करने वाली हैं। हे देवी शीतला, आपको बार-बार प्रणाम है।

नमो सुखकरनी दु :खहरणी। नमो-नमो जगतारणि धरणी॥

- हे माता! आप सुख देने वाली और दु:ख दूर करने वाली हैं। आपको बार-बार नमस्कार है। आप संसार को तारने वाली हैं।

नमो नमो त्रलोक्य वंदिनी। दुखदारिद्रक निकंदिनी॥

- त्रिलोक में वंदनीय हे माता! आप दु:ख और दरिद्रता का नाश करने वाली हैं। आपको बार-बार प्रणाम है।

श्री शीतला, शेढ़ला, महला। रुणलीह्णनी मातृ मंदला॥

- आप शीतला, शेढ़ला, महला, और रुणलीह्णनी नामों से पूजनीय हैं। हे माता, आपको बार-बार नमन है।

हो तुम दिगम्बर तनुधारी। शोभित पंचनाम असवारी॥

- हे माता! आप दिगम्बर रूप धारण करती हैं और पंचनाम (पाँच प्रकार के वाहन) पर सुशोभित होती हैं।

रासभ, खर, बैसाख सुनंदन। गर्दभ दुर्वाकंद निकंदन॥

- आपका वाहन गधा है, जिसे सुनंदन, रासभ और दुर्वाकंद नाशक भी कहा जाता है।

सुमिरत संग शीतला माई, जाही सकल सुख दूर पराई॥

- हे माता शीतला! जो भक्त आपके नाम का स्मरण करता है, उसके सभी दु:ख दूर हो जाते हैं।

गलका, गलगन्डादि जुहोई। ताकर मंत्र न औषधि कोई॥

- गले के रोग (गलका और गलगंड) भी आपकी कृपा से दूर हो जाते हैं। इनका कोई मंत्र या औषधि नहीं है।

एक मातु जी का आराधन। और नहिं कोई है साधन॥

- आपके आराधन के बिना और कोई उपाय नहीं है। आप ही एकमात्र सहारा हैं।

निश्चय मातु शरण जो आवै। निर्भय मन इच्छित फल पावै॥

- जो भक्त आपकी शरण में आता है, वह निश्चय ही निर्भय होकर अपनी इच्छित फल प्राप्त करता है।

कोढी, निर्मल काया धारै। अंधा, दृग निज दृष्टि निहारै॥

- आपकी कृपा से कोढ़ी व्यक्ति की काया निर्मल हो जाती है और अंधा अपनी आँखों से देखने लगता है।

बंध्या नारी पुत्र को पावै। जन्म दरिद्र धनी होइ जावै॥

- संतानहीन स्त्री संतान प्राप्त करती है और जन्म से दरिद्र व्यक्ति धनवान हो जाता है।

मातु शीतला के गुण गावत। लखा मूक को छंद बनावत॥

- माता शीतला के गुणों का गान करने से मूक व्यक्ति भी कविता (छंद) रचना करने लगता है।

यामे कोई करै जनि शंका। जग मे मैया का ही डंका॥

- इस पर किसी को कोई शंका नहीं करनी चाहिए, क्योंकि संसार में माता का डंका बजता है।

भगत 'कमल' प्रभुदासा। तट प्रयाग से पूरब पासा॥

- भक्त कमल प्रभुदास प्रयाग के पूर्वी तट के पास निवास करते हैं।

ग्राम तिवारी पूर मम बासा। ककरा गंगा तट दुर्वासा॥

- तिवारी ग्राम मेरा निवास स्थान है और ककरा गंगा तट पर महर्षि दुर्वासा तपस्या करते हैं।

अब विलंब मैं तोहि पुकारत। मातृ कृपा कौ बाट निहारत॥

- अब मैं देर नहीं करता और आपको पुकारता हूं। मैं आपकी कृपा की राह देख रहा हूं।

पड़ा द्वार सब आस लगाई। अब सुधि लेत शीतला माई॥

- मैं आपके द्वार पर पड़ा हूं, सारी आस लगाए हुए। हे माता शीतला, अब मेरी सुधि लें।

॥ दोहा ॥

यह चालीसा शीतला, पाठ करे जो कोय।

- जो व्यक्ति इस शीतला चालीसा का पाठ करता है,

सपनें दुख व्यापे नहीं, नित सब मंगल होय॥

- उसके सपनों में भी कभी दु:ख नहीं आता और उसके जीवन में हमेशा मंगल होता है।

बुझे सहस्र विक्रमी शुक्ल, भाल भल किंतू।

- यह चालीसा विक्रमी संवत में रचित हुई है। इसमें सभी शुभ तत्व शामिल हैं।

जग जननी का ये चरित, रचित भक्ति रस बिंतू॥

- यह जगत जननी माता शीतला का चरित्र है, जो भक्ति रस से भरा हुआ है।

॥ इति श्री शीतला चालीसा ॥

- इस प्रकार श्री शीतला चालीसा समाप्त होती है।

Sheetala Chalisa Lyrics in English

□ Doha □
Jay Jay Mata Sheetla, tumhin dharai jo dhyan□
Hoy vimal sheetal hriday, vikasai buddhi bal gyaan□

Ghat-ghat vaasi Sheetla, sheetal prabha tumhar□
Sheetal chhaiyan mein jhulai, Maiyya palna daar□

□ Chaupai □
Jay-Jay-Jay Shri Sheetla Bhavani□
Jay jag janani sakal gun dhaani□

Grih-grih shakti tumhari raajit□
Puran sharadchandra sama saajit□

Visphotak se jalat sharira।
Sheetal karat harat sab peera।

Maat Sheetla tav shubhnama।
Sabke gaadhe aavahin kaama।

Shok hari Shankari Bhavani।
Baal-pranakshari sukh daani।

Shuchi marjani kalash karraajai।
Mastak tej surya sama saajai।

Chausath yogin sang mein gaavai।
Veena taal mridang bajaavai।

Nritya Nath Bhairau dikhlavai।
Sahaj shesh Shiv paar na paavai।

Dhanya dhanya dhaatri Maharani।
Sur-nar muni tab suyash bakhaani।

Jwala roop maha balkari।
Daitya ek visphotak bhaari।

Ghar-ghar pravishat koi na rakshat।
Rog roop dhari baalak bhakshat।

Haahakaar machyo jag bhaari।
Sakyo na jab sankat taari।

Tab Maiyya dhari adbhut roopa।
Kar mein liye marjani soopa।

Visphotakhin pakad kar leenho।
Moosal pramaan bahuvidhi keenho।

Bahut prakaar vah vinati keenha।
Maiyya nahin bhal main kachhu keenha।

Abnahin Maatu kahugrih jaiho।
Jahan apavitra vahi ghar rahi ho।

Ab bhagtan sheetal bhay jaiho।
Visphotak bhay ghor nasaiho।

Shri Sheetlahin bhaje kalyana।
Vachan satya bhaashe Bhagvana।

Poojan paath Maatu jab kari hai।
Bhay anand sakal dukh hari hai।

Visphotak bhay jihi grih bhai।
Bhajai Devi kah yahi upai।

Kalash Sheetlaka sajavaavai।
Dwij se vidhi-vat paath karaavai।

Tumhin Sheetla, jagki Maata।
Tumhin pita jag ki sukhdata।

Tumhin Jagaddhaatri sukhsevi।
Namo namami Sheetle Devi।

Namo sukhkarani dukhharani।
Namo-namo jagataarani Dharani।

Namo-namo trilokya vandini।
Dukh-daridraka nikandini।

Shri Sheetla, Shedhla, Mahla।
Runlihurnani maatru mandala।

Ho tum digambar tanudhari।
Shobhit panchanam asvaari।

Raasabh, khar, Baisaakh Sunandan।
Gardabh durvaakand nikandan।

Sumirat sang Sheetla maai।
Jaahi sakal sukh door paraai।

Galka, Galgandaadi juhoi।
Taakar mantra na aushadhi koi।

Ek Maatu ji ka aaradhan।
Aur nahin koi hai saadhan।

Nishchay Maatu sharan jo aavai।
Nirbhay man ichchhit phal paavai।

Kodhi, nirmal kaaya dhaarai।
Andha, drig nij drishti nihaarai।

Bandhya naari putra ko paavai।
Janma daridra dhani hoi jaavai।

Maatu Sheetla ke gun gaavat।
Lakha mook ko chhand banaavat।

Yaame koi karai jani shanka।
Jag mein Maiya ka hi danka।

Bhagat ‘Kamal’ Prabhudasa।
Tat Prayag se Poorab paasa।

Gram Tiwari poor mam basa।
Kakra Ganga tat Durvaasa।

Ab vilamb main tohi pukaarat□
Maatru kripa kau baat nihaarat□

Pada dvaar sab aas lagaai□
Ab sudhi let Sheetla Maai□

□ Doha □
Yah Chalisa Sheetla, paath kare jo koy□
Sapne dukh vyaape nahin, nit sab mangal hoy□

Bhuje sahasra Vikrami shukl, bhaal bhal kintu□
Jag janani ka ye charit, rachit bhakti ras bintu□

□ Iti Shri Sheetla Chalisa □

Sheetala Chalisa Meaning in English

□ Doha □
Jay Jay Mata Sheetla, tumhin dharai jo dhyan□

- Hail, O Mother Sheetla! Whoever meditates upon you with devotion

Hoy vimal sheetal hriday, vikasai buddhi bal gyaan□

- Their heart becomes pure and peaceful, and their intelligence, strength, and knowledge flourish.

Ghat-ghat vaasi Sheetla, sheetal prabha tumhar□

- O Mother Sheetla! You reside in every being and spread your cooling, soothing aura.

Sheetal chhaiyan mein jhulai, Maiyya palna daar□

- You cradle your devotees under your calming shade, granting them peace and comfort.

□ Chaupai □

Jay-Jay-Jay Shri Sheetla Bhavani□ Jay jag janani sakal gun dhaani□

- Glory, glory to you, O Mother Sheetla Bhavani! You are the mother of the world and the embodiment of all virtues.

Grih-grih shakti tumhari raajit□ Puran sharadchandra sama saajit□

- Your divine power resides in every household, shining like the full autumn moon.

Visphotak se jalat sharira□ Sheetal karat harat sab peera□

- When a person’s body burns with diseases like smallpox, you cool them down and relieve their suffering.

Maat Sheetla tav shubhnama□ Sabke gaadhe aavahin kaama□

- O Mother Sheetla! Your auspicious name is a refuge for all those in severe distress.

Shok hari Shankari Bhavani□ Baal-pranakshari sukh daani□

- You are Bhavani, who removes sorrow and protects the lives of children, granting joy and happiness.

Shuchi marjani kalash karraajai□ Mastak tej surya sama saajai□

- You hold a broom and a sacred pot, symbolizing purity, and your forehead radiates like the sun.

Chausath yogin sang mein gaavai□ Veena taal mridang bajaavai□

- Sixty-four Yoginis accompany you, singing your praises and playing musical instruments like the veena, cymbals, and drums.

Nritya Nath Bhairau dikhlavai। Sahaj shesh Shiv paar na paavai।

- Nath Bhairav performs dances for you, but even Shiva and Sheshnag cannot fully understand your greatness.

Dhanya dhanya dhaatri Maharani। Sur-nar muni tab suyash bakhaani।

- O Queen Mother! You are truly blessed. Gods, humans, and sages all praise your divine glory.

Jwala roop maha balkari। Daitya ek visphotak bhaari।

- In your fierce form, you possess immense power and have destroyed many powerful demons.

Ghar-ghar pravishat koi na rakshat। Rog roop dhari baalak bhakshat।

- When disease (in the form of an affliction) enters homes, attacking children, no one can protect them.

Haahakaar machyo jag bhaari। Sakyo na jab sankat taari।

- Chaos spreads across the world, and no one can avert the calamity.

Tab Maiyya dhari adbhut roopa। Kar mein liye marjani soopa।

- Then, Mother Sheetla assumes a marvelous form, holding a broom and a winnowing fan in her hands.

Visphotakhin pakad kar leenho। Moosal pramaan bahuvidhi keenho।

- She captures the disease and punishes it with her divine staff.

Bahut prakaar vah vinati keenha Maiyya nahin bhal main kachhu keenha

- The disease pleads in many ways, saying, “O Mother, I have done nothing wrong.”

Abnahin Maatu kahugrih jaiho Jahan apavitra vahi ghar rahi ho

- Mother replies, “Now you will reside only in impure and unclean homes.”

Ab bhagtan sheetal bhay jaiho Visphotak bhay ghor nasaiho

- Now, for my devotees, there will be peace and comfort, and the fear of disease will vanish.

Shri Sheetlahin bhaje kalyana Vachan satya bhaashe Bhagvana

- Whoever worships Mother Sheetla will attain prosperity. This is the true word of the divine.

Poojan paath Maatu jab kari hai Bhay anand sakal dukh hari hai

- When someone performs the worship and recitation of Mother Sheetla’s praise, all fear and sorrow disappear, bringing joy.

Visphotak bhay jihi grih bhai Bhajai Devi kah yahi upai

- In any house suffering from the fear of disease, the solution is to worship the Devi.

Kalash Sheetlaka sajavaavai Dwij se vidhi-vat paath karaavai

- Devotees should decorate the sacred pot of Sheetla and have a learned priest perform rituals properly.

Tumhin Sheetla, jagki Maata। Tumhin pita jag ki sukhdata।

- You, O Sheetla, are the mother of the world and the provider of happiness.

Tumhin Jagaddhaatri sukhsevi। Namo namami Sheetle Devi।

- You are the sustainer of the world and the bestower of comfort. I bow to you repeatedly, O Devi Sheetla.

Namo sukhkarani dukhharani। Namo-namo jagataarani Dharani।

- Salutations to you, the giver of happiness and remover of sorrow. You are the savior of the world.

Namo-namo trilokya vandini। Dukh-daridraka nikandini।

- O revered by the three worlds! You destroy all misery and poverty. I offer my humble obeisance to you.

Shri Sheetla, Shedhla, Mahla। Runlihurnani maatru mandala।

- O Mother Sheetla! You are also known by the names Shedhla and Mahla. You reside within the circle of divine mothers (Matrikas).

Ho tum digambar tanudhari। Shobhit panchanam asvaari।

- You are adorned with the form of Digambar (clothed by the sky) and ride on five different mounts.

Raasabh, khar, Baisaakh Sunandan। Gardabh durvaakand nikandan।

- Your main vehicle is the donkey, also known by the names Raasabh, Khar, and Sunandan. You destroy wickedness and misfortune.

Sumirat sang Sheetla maai। Jaahi sakal sukh door paraai।

- Those who remember you, O Mother Sheetla, are blessed with happiness, and all their sorrows are driven away.

Galka, Galgandaadi juhoi। Taakar mantra na aushadhi koi।

- Diseases like Galka and Galganda (goiter) are cured by your grace, without the need for any mantra or medicine.

Ek Maatu ji ka aaradhan। Aur nahin koi hai saadhan।

- Only the worship of you, O Mother, is necessary. There is no other solution or remedy.

Nishchay Maatu sharan jo aavai। Nirbhay man ichchhit phal paavai।

- Whoever sincerely seeks your refuge, O Mother, attains their desired wishes and lives fearlessly.

Kodhi, nirmal kaaya dhaarai। Andha, drig nij drishti nihaarai।

- A leper’s body becomes pure, and a blind person regains their vision by your divine blessings.

Bandhya naari putra ko paavai। Janma daridra dhani hoi jaavai।

- A barren woman is blessed with a child, and those born in poverty become wealthy by your grace.

Maatu Sheetla ke gun gaavat। Lakha mook ko chhand banaavat।

- By singing your praises, even a mute person gains the ability to compose and recite poetry.

Yaame koi karai jani shanka। Jag mein Maiya ka hi danka।

- Let there be no doubt in this, for your glory echoes throughout the world, O Mother.

Bhagat ‘Kamal’ Prabhudasa। Tat Prayag se Poorab paasa।

- Devotee Kamal Prabhudasa resides near the eastern shore of Prayag, honoring your name.

Gram Tiwari poor mam basa। Kakra Ganga tat Durvaasa।

- I reside in the Tiwari village, while the holy sage Durvasa performed penance at the Kakra Ganga bank.

Ab vilamb main tohi pukaarat। Maatru kripa kau baat nihaarat।

- O Mother, I now call upon you without delay, eagerly awaiting your divine grace.

Pada dvaar sab aas lagaai। Ab sudhi let Sheetla Maai।

- I stand at your doorstep with hope in my heart. Please hear my plea now, O Mother Sheetla.

। Doha ।
Yah Chalisa Sheetla, paath kare jo koy।

- Whoever recites this Sheetla Chalisa with devotion

Sapne dukh vyaape nahin, nit sab mangal hoy।

- Shall never suffer even in dreams, and their life will be filled with happiness and prosperity.

Bhuje sahasra Vikrami shukl, bhaal bhal kintu

- This Chalisa was written in the Vikrami era on an auspicious full moon day. It radiates divine light.

Jag janani ka ye charit, rachit bhakti ras bintu

- This is the sacred tale of the world's mother, filled with the nectar of devotion.

Iti Shri Sheetla Chalisa

- Thus, the recitation of Shri Sheetla Chalisa is complete.